No. of Printed Pages : 11 **BHMCT–105**

B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)

HINDUSTANI MUSIC

(BAPFHMH)

Term-End Examination

December, 2023

BHMCT-105 : STUDY FORMS, TRADITIONS AND INSTRUMENTS OF HINDUSTANI MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *All questions are compulsory.*

1. Fill in the blanks with appropriate options : 15

   (a) The composition consisting of four Dhatus and six Angas is known as ..... .

   (b) The lyrical content of Prabandha is known as ..... .

   (c) The person who pens the lyrics as well as creates the music is known as ..... .

(d) Raga Bhimpalasi is ..... Jati Raga.

(e) The stanza of a Prabandha which has attributive words is known as ..... .

(f) ..... was the founder of Banaras Gharana of Tabla.

(g) The time of singing Raga Khamaj is ..... .

(h) ..... is applied in Dhrupad singing.

(i) ..... is the slow tempo composition played on the Sitar.

(j) The notation system initiated by Jyotirindra Nath Tagore in Bengal is known as ..... .

(k) ....., a performer of Kirana Gharana was awarded 'Bharat Ratna' by the Government of India.

(l) Apart from string instruments Maihar Gharana has also trained many ..... artists.

(m) The Vadi Swar of Raga Malkauns is ..... and Samvadi is ..... .

(n) Pt. Vishnu Digambar Paluskar has used ..... for denoting a Komal Swara in his notation system.

(o) Fakirullah, the author of the treatise 'Raga Darpan', also translated the Medieval period treatise ..... .

Options : Virud, First part of night, Flute, Ramsahay Mishra, Prabandha, Chautal, Audav-Sampurna, Madhyam, Akarmatrik Swaralipi, Dhatu, Vaggeyakar, Pt. Bhimsen Joshi, Maseetkhani Gat, Halant, Maankutuhal

2. Match the following : 15

(a)	Senia Gharana	(1)	Rudra Veena
(b)	Chautal	(2)	Etawah Gharana
(c)	Dandamatrik Notation	(3)	Abdul Kareem Khan
(d)	Ajrada Gharana	(4)	Tansen's clan

(e)	Anibaddha Gaan	(5)	Lochan Pandit
(f)	Maihar Gharana	(6)	Raja Saurindra Mohan Tagore
(g)	रे ग ध नि	(7)	Dhrupad
(h)	Raga Tarangini	(8)	Ragalaap
(i)	Fretted Veena	(9)	Gharana of Tabla
(j)	Ustaad Imdad Khan	(10)	Baba Alauddin Khan
(k)	Kirana Gharana	(11)	Accompanying instrument
(l)	Pakhawaj	(12)	Bhatkhande Notation
(m)	Khamaj	(13)	Thumri
(n)	Bhimpalasi	(14)	Kafi Thaat
(o)	Deepchandi Taal	(15)	Ratrikaleen Raga

3. Write answers to any ***six*** of the following questions in about **250** words each : 6×5=30

   (a) Describe the parts of Sitar.

   (b) Describe the special features of Gayaki of Gwalior Gharana.

   (c) Give a brief detail of 'Sawai Gandharva' the most prominent vocalist of Kirana Gharana.

   (d) Give a brief description of notation system of Pt. Vishnu Digambar Paluskar.

   (e) Describe briefly the 'Deshi' musical forms enumerated in the treatise 'Raga Darpan'.

   (f) Write about the similarities and differences between the two Talas– Deepchandi and Chautal.

   (g) Describe briefly the 'Sansthana System' elaborated in the treatise 'Rag Tarangini'.

   (h) Describe elaborately Raga Bhimpalasi.

4. Write answers to any ***four*** of the following questions in not more than **400** words each : 4×10=40

   (a) Give a detailed account of the development of Imdadkhani Gharana.

(b) Write a detailed note on depiction of Gods and Goddesses in Indian Music.

(c) Give an account of contents of the treatise 'Raga Tarangini'.

(d) Submit your own concept regarding the inter-relation of religion and music.

(e) Put up a detailed account on origin and evolution of Delhi Gharana.

(f) Throw light upon the 'Shishya Parampara' of Gwalior Gharana.

BHMCT–105

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला)
हिन्दुस्तानी संगीत
(बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2023

बी.एच.एम.सी.टी.-105 : हिन्दुस्तानी संगीत की गान विधाएँ, वाद्यों और परम्पराओं का अध्ययन

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

---

1. उचित विकल्पों से रिक्त स्थानों को भरिए : 15

   (क) चार धातु और छः अंगों से युक्त रचना को ..... कहा जाता है।

   (ख) प्रबन्ध के पद गत भागों को ..... कहा जाता है।

   (ग) जो व्यक्ति पद और स्वर दोनों की रचना करे उसे ..... कहा जाता है।

   (घ) राग भीमपलासी ..... जाति का राग है।

(ङ) प्रबन्ध में जिस पद में विशेषण या गुणसूचक शब्द हों उसे ..... कहते हैं।

(च) ..... तबले के बनारस घराने के संस्थापक हैं।

(छ) राग खमाज का गायन समय ..... है।

(ज) ..... का प्रयोग ध्रुपद गायन में किया जाता है।

(झ) सितार पर ..... विलम्बित गत के रूप में बजाया जाता है।

(ञ) बंगाल के ज्योतिरिन्द्र नाथ टैगोर द्वारा बनाई गई स्वरलिपि को ..... कहते हैं।

(ट) किराना घराने के कलाकार ..... को भारत सरकार ने 'भारत रत्न' की उपाधि से सम्मानित किया है।

(ठ) मैहर घराने में तन्त्रो वाद्यों के अतिरिक्त ..... के भी कलाकारों की तालीम हुई है।

(ड) राग मालकौंस का वादो स्वर ..... और सम्वादी स्वर ..... है।

(ढ) पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर ने अपनी स्वरलिपि पद्धति में कोमल स्वरों के लिये ..... के चिन्ह का इस्तेमाल किया।

(ण) 'राग दर्पण' के लेखक फकीरुल्लाह ने मध्यकालीन ग्रन्थ ..... का भी अनुवाद किया।

विकल्प : विरुद्ध, रात्रि का प्रथम प्रहर, बाँसुरी रामसहाय मिश्र, प्रबन्ध, चौताल, औड़व-सम्पूर्ण, मध्यम, आकारमात्रिक स्वरलिपि, धातु, वाग्गेयकार, पं. भीमसेन जोशी, मसीतखानी गत, हलन्त, मानकुतुहल

2. निम्नलिखित का सुमेलित कीजिए : 15

(क)	सेनिया घराना	(1)	रुद्र वीणा
(ख)	चौताल	(2)	इटावा घराना
(ग)	दण्डमात्रिक स्वरलिपि	(3)	अब्दुल करीम खाँ
(घ)	अजराड़ा घराना	(4)	तानसेन के वंशज
(ङ)	अनिबद्ध गान	(5)	लोचन पंडित
(च)	मैहर घराना	(6)	राजा सौरीन्द्र मोहन टैगोर
(छ)	रे ग ध नि	(7)	ध्रुपद

(ज)	राग तरंगिणी	(8)	रागालाप
(झ)	सारिकायुक्त वीणा	(9)	तबले का घराना
(ञ)	उ. इमदाद खाँ	(10)	बाबा अलाउद्दोन खाँ
(ट)	किराना घराना	(11)	संगत वाद्य
(ठ)	पखावज	(12)	भातखंडे स्वरलिपि
(ड)	खमाज	(13)	ठुमरी
(ढ)	भीमपलासी	(14)	काफी थाट
(ण)	दीपचन्दी ताल	(15)	रात्रिकालीन राग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***छः*** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **250** शब्दों में दीजिए : 6×5=30

(क) सितार वाद्य के विभिन्न अवयवों का वर्णन कीजिए।

(ख) ग्वालियर घराने की गायकी की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ग) किराना घराने के मूर्धन्य गायक सवाई गन्धर्व के सम्बन्ध में संक्षिप्त में लिखिये।

(घ) पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर की स्वरलिपि के सम्बन्ध में संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(ङ) 'राग दर्पण' में वर्णित देशी गीत शैलियों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(च) दीपचन्दी और चौताल में एकरूपता और पृथकता को समझाइये।

(छ) 'राग तरंगिणो' ग्रन्थ में वर्णित संस्थान पद्धति का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(ज) राग भीमपलासी का विस्तृत विवरण दोजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** क (प्रत्येक) लगभग **400** शब्दों में उत्तर दीजिए : $4 \times 10 = 40$

(क) इमदादखानी घराने क उद्‌भव और विकास के बारे में सविस्तार लिखिये।

(ख) भारतीय संगीत में देवी–देवताओं क चित्रण का सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'राग तरंगिणी' ग्रन्थ की सामग्री का विस्तृत विवरण दीजिए।

(घ) धर्म और संगीत के अन्तर्सम्बन्ध के बारे में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) दिल्ली घराने की उत्पत्ति और विकास का विस्तारपूर्वक विवरण दीजिए।

(च) ग्वालियर घराने की शिष्य परम्परा पर प्रकाश डालिये।